* A E - 1 1 0 2 3 *

AE-11023

Seat No. _____

Third Year B. A. (Non CBCS) Examination

February – 2016

Hindi : Paper - IX

(Lok Sahitya)

(New Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : (1) संपूर्ण प्रश्नपत्र (अ) विभाग और (ब) विभाग में विभाजित है ।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

अ – विभाग

1 लोकसाहित्य की परिभाषा देते हुए लोकसाहित्य का महत्व स्पष्ट कीजिए । **20**

अथवा

1 लोककथा की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए । **20**

2 'ढोला मारु–रा दोहा' के आधार पर नायक ढोला का चरित्र–चित्रण अपने शब्दों में लिखिए । **20**

अथवा

2 'ढोला मारु–रा दोहा' में प्रेम–सौन्दर्य का वर्णन । **20**

3 लोकगाथा की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **20**

अथवा

3 मारवणी का चरित्र–चित्रण कीजिए । **20**

ब – विभाग

4 किन्हीं पाँच लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **20**

(1) मुहावरें की विशेषताएँ ।

(2) पालने के गीत का संक्षिप्त परिचय ।

(3) ढोला–मारु–रा दोहा में छंद और अलंकार

(4) ढोला–मारु–रा दोहा की भाषा–शैली ।

(5) माखी का संक्षिप्त चरित्र–चित्रण ।

(6) लोकोक्तियाँ किसे कहते हैं ?

(7) ढोला–मारु–रा दोहा का कथासार (संक्षिप्त)

(8) लोकगीत की सामान्य विशेषताएँ ।

5 (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए : **10**

(1) ढोला–मारु–रा दोहा के संपादक कौन है ?

(2) लोकगाथा के कितने प्रकार है ?

(3) लोकोक्ति का शाब्दीक अर्थ क्या है ?

(4) पिंगल किस प्रदेश का राजा था ?

(5) बालगीत किसे कहते हैं ?

(6) ढोला के पिता का नाम क्या था ?

(7) ढोला–मारु–रा दोहा की नायिका कौन है ?

(8) नाट्य वेद के रचनाकार का नाम क्या है ?

(9) नल किस प्रदेश का शासक था ?

(10) मुहावरा किस भाषा का शब्द है ?

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **10**

(1) लोकसाहित्य के रचनाकार ..... है ।

(विद्वान, आम आदमी)

(2) लोकसाहित्य की परंपरा ..... होती है ।

(मौखिक, लेखित)

(3) लोकगीत में ..... संस्कृति होती है ।

(ग्राम्य, शहरी)

(4) ढोला के पिता का नाम ..... है ।

(नल, पिंगल)

(5) लोकसाहित्य विज्ञान के लेखक ..... है ।

(डॉ. सत्येन्द्र, डॉ. नगेन्द्र)

(6) डिंगल ..... की भाषा है ।

(चारणों, भाटों)

(7) ..... पुत्री पदमिणी मारवणी तीणी नाम ।

(पिंगल, खिंगल)

(8) ढोला–मारु–रा दोहा ..... प्रदेश से जुडी रचना है ।

(राजस्थान, पंजाब)

(9) ढोला–मारु–रा दोहा का काव्य प्रकार ..... है ।

(लोकगाथा, लोककथा)

(10) ढोला–मारु–रा दोहा कथात्मक दृष्टि से ..... रचना है ।

(प्रेम कथात्मक, वीर कथात्मक)